Hindi Murli Quiz 19-11-2015

.

Q.1) **Q. "बच्चे, अपने कैरेक्टर्स सुधारने के लिए याद की यात्रा में रहना है, बाप की याद ही तुम्हें सदा --------बनायेगी"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ।

A. सौभाग्यशाली
B. शक्तिशाली,
C. धनवान
D. सुखी

Q.2) **Q. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत हैं, कृपया टिक करें ------**
"अवस्था की परख बीमारी के समय होती है। बीमारी में भी खुशी बनी रहे और खुशमिजाज चेहरे से सबको बाप की याद दिलाते रहें - यही है अच्छी अवस्था। अगर खुद रोयेंगे, उदास होंगे तो दूसरों को खुशमिजाज नही बना सकेंगे। कुछ भी हो जाए - रोना नहीं है।"

A. सही
B. गलत

Q.3) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ------**

	Choice		Match
A	अभी हम सदा के लिए सौभाग्यशाली बनते हैं।	1	अन्यथा सब इकट्ठे ही आयेंगे और शरीर छोड़ेंगे।
B	यह है ही रोगी दुनिया, सतयुग है निरोगी दुनिया।	2	हम भारत को फिर से श्रीमत पर निरोगी बनाते हैं।
C	पहली बात तो बाप को याद करना है।	3	उससे ही तुम्हारा कैरेक्टर्स सुधरता है वा आयु भी बड़ी होती है ।
D	विष्णु के दो रूप हैं-लक्ष्मी-नारायण। वही फिर 84 जन्म लेते हैं।	4	सतयुग में दु:ख की बात ही नहीं है । मृत्यु या विधवा नाम ही नहीं होता।
E	84 जन्म तो सभी लेंगे नहीं ।	5	84 जन्मों में आपेही पूज्य और आपेही पुजारी बनते हैं।

Q.4) **Q. सही वाक्य ही टिक करें ------**

A. सारा मदार पढ़ाई और याद पर है। उसमें भी नम्बरवन है पढ़ाई ।
B. पहले तो देखना है कि मैं कहाँ तक धारणा करता हूँ? कितना याद करता हूँ? मेरे कैरेक्टर्स कैसे हैं?
C. जो रोते हैं सो खोते हैं। कुछ भी हो जाए लेकिन रोने की दरकार नहीं है।
D. .यहाँ साइन्स से कितनी चीजें बनती हैं, वहाँ भी तो साइंस जरूर होगी क्योंकि तुम्हारे लिए बहुत सुख चाहिए।
E. तुम सम्पूर्ण बनते हो तो तुम्हारे लिए 5 तत्व भी सतोप्रधान बन जाते हैं इसलिए शरीर भी तुम्हारे नेचुरल ब्युटीफुल होते हैं।

Q.5) **Q. "जो भी बड़े से बड़े लोग हैं अथवा महात्मा आदि हैं, यह बाप की नॉलेज उनकी तकदीर में ही नहीं है। उन्हों को अपना ही घमण्ड है। कोई कहते हैं इतना ऊंच बाप है, उनको तो कोई बड़े राजा अथवा पवित्र ऋषि आदि के तन में आना चाहिए या पवित्र कन्या के तन में आये। बाप समझाते हैं मैं आता ही उसमें हूँ जो पूरे 84 जन्म लेते हैं। एक दिन भी कम नहीं।"**

A. सही
B. गलत

Q.6) **Q. उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थान भरें ------**

	Choice		Match
A	आत्मा ------हो जाती है फिर तो उसको शरीर छोड़ना पड़े। यहाँ रह न सकें।	1	दास ।
B	अन्दर यह जाप जपो कि हम विश्व के मालिक बनेंगे, फिर तुमको इस दुनिया में कुछ ------नहीं।	2	आत्म-अभिमानी ।
C	--------तो इस दुनिया को ही कहा जाता है। ब्रहमलोक वा सूक्ष्मवतन को --	3	विश्व ।

	----- नहीं कहेंगे।		
D	तुमको विश्व का मालिक बनाता हूँ। फिर तुम माया के ------ बन जाते हो।	4	भासेगा।
E	यहाँ जब योग में बिठाते हो तो याद दिलानी है ------------- हो बैठो, बाप को याद करो।	5	पवित्र।

Q.7) **Q. "पुरूषार्थ करते-करते तुम्हारी प्रालब्ध जब नजदीक होगी तो फिर बहुत साक्षात्कार होते रहेंगे। अपने भविष्य का साक्षात्कार करेंगे--हम क्या बनेंगे। बाबा दिखलायेंगे यह-यह विकर्म किये हैं, पूरा पढ़े नहीं, ट्रेटर बनें, इसलिए यह सजा मिलती है। बिगर साक्षात्कार सजा कैसे देंगे? कोर्ट में भी बताते हैं - तुमने यह-यह किया है, उसकी सजा है। तुमको बाबा बता देते हैं कि फिर बहुत पछताना पड़ेगा।"**

A. सही
B. गलत

Q.8) **Q. मुरली में धारणा के लिए दिये पॉइंट्स सही-सही चयन करें ---**

A. अपना टाइम जिस्मानी धन्धे में सफल करना है।
B. शरीर समझने की कड़ी बीमारी से बचने का पुरूषार्थ करना है।
C. कभी भी माया को दास नहीं बनाना है।
D. अन्दर में बैठ जाप जपना है कि हम आत्मा हैं।
E. खुशी रहे हम बेगर से प्रिन्स बन रहे है।

Q.9) **Q."तपस्वी मूर्त अर्थात हद के इच्छा मात्रम् अविद्या रूप। जो लेने का संकल्प करता है वह अल्पकाल के लिए लेता है लेकिन सदाकाल के लिए गंवाता है। तपस्वी बनने में विशेष विघ्न रूप यही अल्पकाल की इच्छायें हैं इसलिए अब हद की इच्छाओं का त्याग कर सच्चे-सच्चे तपस्वी मूर्त बनो। हद के मान शान के लेवता-पन का त्याग कर विधाता बनो। जब विधाता-पन के संस्कार इमर्ज होंगे तब अन्य सब संस्कार स्वत: दब जायेंगे।"**

A. सही
B. गलत

Q.10) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**

"कर्म के फल की सूक्ष्म -------रखना भी फल को पकने से पहले ही खा लेना है।"